IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उपन्यास शब्द का सैद्धांतिक विवेचन

क़्द्ध. च्क्ष़ऋॠऋॠङ

ऋॠम्भत्म्घ्ठ्दघ्र ध्द्धदृढ्ढ्म्मदृद्ध

क़्ड्ढ्रठ्ठ्धद्यश्च्ढ्ढदघ्र दृढ त्तन्दङ्घ्त

ग.क़च घ्दृददठ्ठदत क्दृथ्ष्ड्ढ़ड्ढगठ्ठथ्ठ्ठद्रद्रद्दद्धठ्ठ्ठ

जीवन और जगत को भाषा के माध्यम से अभिव्यक्त करना 'साहित्य' है। व्यक्ति एवं सामाजिक चेतना तथा उसके अंदर एवं बाह्य जगत का दस्तावेज़ प्रस्तुत करने वाली नयी प्रयोगधर्मी साहित्यिक विधा को उपन्यास माना जा सकता है, जो प्राय: कथा सूत्र के आधार पर निर्मित होता है। व्यक्ति और समाज का अटूट संबंध है, अत: सामाजिक एवं वैयक्तिक जीवन उपन्यास का विषय है, इसलिए इनमें एक को या दोनों को उपन्यास का आधार बनाया जा सकता है।

उपन्यास शब्द बहुत प्राचीन है। भारत की कई भाषाओं में यह शब्द मिलता है, भिन्न प्रयोगों में और भिन्न अर्थों में। मूल रूप से यह शब्द संस्कृत का है। ''भरत मुनि के नाट्यशास्त्र के विविध संस्करणों की प्रतिमुख संधि के भेद निरूपण के संदर्भ में उपन्यास शब्द विभिन्न अर्थों में प्रयुक्त हुआ है।''[1] उसमें नाटक की प्रतिमुख संधि के एक भेद विशेष का नाम उपन्यास है।

'उपन्यास' शब्द की निष्पत्ति के संबंध में भिन्न - भिन्न विचार मौजूद है। डॉ. ऊर्मिला प्रकाश का कथन है - ''उपन्यास 'असु' धातु से बना है। इस धातु में 'धञ' प्रत्यय के योग से 'आस' शब्द बना है इस 'आस' शब्द से पहले 'उप', 'नि' ये दो उपसर्ग मिलकर (उप अ नि अ आस) उपन्यास शब्द निष्पन्न् होता है।[2] 'उप' उपसर्ग का अर्थ है निकट या समीप, 'नि' और 'आस' के योग से बना है 'न्यास'। इसका अर्थ है 'धरोहर' या 'थाती'।[3] इसी के आधार पर उपन्यास शब्द का वही अर्थ निकाल सकते है कि 'निकट रखी हुई वस्तु'। आधुनिक युग में उपन्यास शब्द अंग्रेज़ी के नॉवेल शब्द के पर्यायवाची के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। इसका अर्थ है 'वह कल्पित और बडी आख्यायिका जिस में बहुत से पात्र और विस्तृत घटनायें हो'[4]

आधुनिक उपन्यास को पाश्चात्य मान्यताओं और शिल्पों के आधर पर विकसित साहित्यिक विधा मानी जा सकती है। अंग्रेज़ी का नॉवल शब्द भी अपना नहीं है। वह इतावली भाषा के 'नवेला' शब्द से निकला है, जिसका अर्थ है- ''ऐसे समाचार अथवा नई घटनायें जो सद्य: ज्ञात हो और सत्य हो''[5]

नॉवेल (कल्पित और बडी आख्यायिका) अर्थ में उपन्यास शब्द हिन्दी में बाँगला से आया है। अंग्रेज़ी के नॉवलों के अनुकरण पर वैसी ही कथा अथवा आख्यायिकायें सर्वप्रथम बाँगला में लिखना शुरु हुआ और उनकेलिए उपन्यास शब्द प्रचलित हुआ। ऐसा प्रतीत होता है कि बाँगला में कथा अथवा आख्यायिका अर्थ में उपन्यास पहले से प्रचलित था। आशुतेष देव के बाँगला अंग्रेज़ी कोष में उपन्यास शब्द का अर्थ कथा, आख्यायिका आदि भी दिए गए हैं। यह भी संभव है कि संस्कृत में उपन्यास शब्द के 'उपक्रम' ''भूमिका बाँधना'', विचार उपस्थित करना आदि अर्थ होने के कारण बंगला में कथा अथवा आख्यायिका को 'उपन्यास' कहा जाने लगा हो, क्योंकि कथा अथवा आख्यायिका में भी विचारों को उपस्थित किया जाता है अंग्रेज़ी भाषा के नॉवलों द्वारा जब एक नवीन प्रकार का कथा साहित्य प्रस्तुत किया गया तो उनको भी भाव सादृश्य से उपन्यास नाम ही दे दिया गया। अंग्रेज़ी नॉवलों के अनुकरण पर जब हिन्दी में नाँवल लिखे जाने लगे, अथवा उनके अनुवाद किये जाने लगे तो हिन्दी में भी नाँवल केलिए बँगला में पहले से प्रचलित 'उपन्यास' शब्द को ही अपना लिया गया।

हिन्दी में उपन्यास का उदय 1873 के पश्चात् हुआ। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने 1873 में हरिश्चन्द्र मैगज़ीन का प्रकाशन प्रारंभ किया, उसमें लेखों की परिगणित सूची में नाँवल का भी स्थान है और वही नाँवल हिन्दी में रूपांतरित होकर 'उपन्यास' बन गया।

यह स्पष्ट है कि हिन्दी में उपन्यास पाश्चात्य साहित्य से प्रेरणा पाकर प्रारंभ हुए। नाँवल केलिए उपन्यास शब्द कब और कैसे प्रचलित हुआ इसका कोई निश्चित प्रमाण नही मिलता।

1. डॉ. नग्रन्द्र : साहित्यक निबंध - सं. डॉ. त्रिभुवन सिंह पृ: 819
2. हिन्दी लेखिकाओं के स्वातंत्र्योत्तर उपन्यासों में पुरुष कल्पना - डॉ. ऊर्मिला प्रकाश पृ: 22
3. शब्द कोष - रामशंकर शुक्ल 'ससाल' पृ: 332
4. प्रामाणिक हिन्दी कोश - रामचद्र वर्मा पृ: 146
5. हिन्दी साहित्य का सर्वस्व - सीतारम चतुर्वेदी पृ: 724